

Press Report Of Various Newspaper on Organ Donation Activities



Cadaver Organ Donor Vijaybhai Babulal Shah



Brain-dead man's kidneys give new life to two

TIMES NEWS NETWORK

Surat: The kidneys of 66-year-old brain-dead Vijay Shah gave a new lease of life to Surat-based Jayna Tulsi Jasani (45) and Ahmedabad-based Rumesha M Patel (56) here on Sunday.

A small black and white portrait of a man, identified as the deceased organ donor.

Vijay Shah was seriously injured when he met with an accident at Adalon Patiya in the city on March 25. His two-wheeler was hit by a motorbike rider near Rajhans cinema. Shah suffered a brain haemorrhage and was rushed to BAPS Hospital. He was later shifted to Hinduja Hospital in Mumbai, but was brought back to BAPS Hospital. He was declared brain-dead by the doctors on March 27.

Shah is survived by wife Chanda Devi, 62, sons Ajay Shah, 44, and Abhishek Shah, 32, and daughter Sushma Patel, 31. They expressed the wish of donating the organs of their father's body. Chanda Devi had said, "I would be happy if my husband's organs can give a new lease of life to someone."

Dr Pranjal Modi and a team of doctors from the Institute of Kidney Disease and Research Centre (IKDRC), Ahmedabad retrieved two kidneys and the liver from Shah's body. Lok Drashti Chakshu Bank's Dr Praful Shiroiya retrieved the eyes from the brain-dead donor, whose family has set an example in their Agarwal community. A local NGO facilitated the organ donation process and their transplantation.

" જતાનીમણે સંપરી દિમાળને મુજૂબાદ(ફેનકેટ્સ) મિસલી, કોણ ઓછ કફાડાની . . ."

अनुकरणीय • सइक हादसे में घायल वृद्ध को घोषित किया गया था ब्रेन डे

अंगदान से दो जनों को मिला नया जीवन

कृष्ण @ परिवार

अश्वार्जुन में राजस शिवर के नवदेवी वेदर महादेवी यो टक्कर में चालू बुद्ध को इन छेष चौपाई लिया, जबने के बाद परिवर्तने ने अंगराज का निर्वाचित किया। इससे चौपाई को नव नीत्यन गिला है। ओर्डर का बाहर लैकर बृहि चतुर भैजने एवं सेवा किया।

अद्वाय पाल हैरीत में भी रामानन्द जैमिनी लघुपित्र विलिङ्गन विवाही विवर अवश्यक शह (65) 25 पाचन को वेष्टवर लघुपित्र

नहान पर अद्वितीय परिणा से नवा
लौट रहे थे। यशहंस घिरट के
नवाचिक प्राची प्रार्थक ने लड़
दखल मध्य दी।

उन्हें बैरां शहर में इन्द्रिय स्वार्थ अस्तवाद में भयो कथाएँ रखा। ऐसी स्थिति में उन्हें हिन्दूज वासियोंकी गिरावट। उन्हें युद्ध की ओर हिन्दूज अस्तवाद में भयो कथाएँ रखा। यहां लड़ाने वाले नियम और विधि की ओर आपके प्रश्न न प्राप्तिक्रिया जाव के बाद अस्तवाद की खलाह ही ही। त्यक्त विजय



पर्यावरण के लिए प्रयत्न करना चाहिए और समाज के लिए विश्वास बढ़ावा देना। यहाँ यहीं लेखन के लिए उल्लेख करना चाहिए। इसके अलावा यहाँ यहीं लेखन के लिए उल्लेख करना चाहिए।

में सम्भागा। पाली चरणस्त्री, पुरुष
अवधि, आपैक तीरं वज्रं ददृश
ये अहंतरं नन्दे यत्पतिं के चारों
मन्त्रावलाम् न अहंतवादं बोल
अहंतवादोऽभ्यासं तो ओऽप्तिवेष्ट
सिप ताहं अर्थं दी। शब्दाम् गोप्ये से
ममकं किया। यह मे विली वेष्ट
हितने सुख निवारी जयवान-
दुर्मी निरामी (५) और लीला
शब्दावलाम् निवारी स्थान ममक
पैठें (५) एवं दूसरांशं किया ग
है। आप्ये का यह तोहनाम
चर्चाकृति के ही प्रगल्भ शिखेवा मे
स्वीकार किया।

अग्रवाल समाज के ब्रेनडेड विजय शाह का अंगदान



जान्म के विवरणों और होमेंट के लिए नोटेशनों ने देखा उत्तर दिया हाथ के पुरुष अवयव, अधिकारी, जीवी प्रौढ़, साधारण होड़ और जब्त वर्गमणि के लिए इनके मंजूर में जारी होते हैं। गरिवार के प्रथम नियम १४ वाले लिप्तान के लिए योग्य हो गए। विषय तह की एक लिहाजी दस्ती की जपवेद गुणों वजायी तथा ५५ में जीव शिवार, जन्म-दरवार वे लिप्तान

"जतानीमें अनदिन हिमावत मृत्युवाद(ब्रेकिंग) होकर, होते और होताने . . ."

Press Report Of Various Newspaper on Organ Donation Activities

અગ્રવાલ સમાજના બ્રેઇનડેડ વૃદ્ધના
અંગદાનથી ચાર જણાને મળ્યું નવજીવન

■ મોદી અકુસ્માતમાં
ગંભીર ટુલ્ય પાત્રેણ
વિજય આપ્યા હેઠાં



प्राचीन विद्यालयों का नियमित अध्ययन और विशेषज्ञ विद्यार्थी के बहुत से विभिन्न विषयों पर अधिक ज्ञान का विस्तृत विवरण उपलब्ध है। इसके अलावा विद्यार्थी अपने विद्यालय की विभिन्न विभागों में विभिन्न विषयों पर अधिक ज्ञान का विवरण उपलब्ध है। इसके अलावा विद्यार्थी अपने विद्यालय की विभिन्न विभागों में विभिन्न विषयों पर अधिक ज्ञान का विवरण उपलब्ध है।



અગ્રવાલ સમાજના કેન્દ્રે વયસ્કનાં
અંગદાન થડી ત્રણને નવશુદ્ધિન મળ્યું
પ્રાણ આઈના નીચે પાંચ કલાજાના પ્રાપ્તાનું સુધુર પરિષારમ

"जातीनीमे शब्दानि दिमागके मुख्यवाट(देक्कनके) लिहाजी, लोतस और कुदरातीन . . ."

સુરતમાં અક્ષમાત બાદ બ્રેઇન ડે
આઇડનું અંગાદાન કરાયું

મુજાહ અભયાર સમાજના વિદ્યાર્થી
શાહ(૧૮૬૬)ને ગંગાના અભયાર જાત વાયિધોને
એવો બેઠના રેખારે જીવી કરી બેઠના પે વિદ્યાર્થીના
પરિવારનાની જાતિઓ
તેમનું જાણાના એવીને સમાજના
એડ નાથ રાદ વિષયો હૈ.
વિદ્યાર્થી બાળ્યાર શાહને
પાલ રોડ પાસે અભયાર
પાઠન ચાંદક ટક્કર મારા
તેમને મારાના જાતો જગતીન
ઉંઝ પાંદી કાઠી તંદી સીટી રૂન અભયાર
વિદ્યાર્થીના બેઠના હેમબંજ વધુ છોટાનું તિંના
અધ્યાત્મ વધુ જાણાર આપે વિદ્યાર્થીનાને તેમનાં
પરિવારનાંથે ગુંજારી પીડી વિદ્યાર્થી વાણિયાનાં
દુષ્પત્ર કર્યાનું આખા કાંઠ કૃત્યા અન્યોયુંના હૈ.



ગોવિન્દ સાંપેની બાચાન દેખતું તેજાનું મી હી કેનું
કર્તાનાં આપત્તાની આધિક્યતા પ્રેરણથી વાઈન રહેણાં
ગલીરી ઠંડાનો રહી હોયાનું નિર્ધાર કર્યું છુટું. નાયા
પરિવારનાંથી તેમનું સુધ્યા
પણ હાર્દી વાંચિસ્તાનાં
દાખલ જાતાનો નિર્ધિપત્ર આપ્યો
કર્તાની પરિવારનાં તરફથી
અંગેનાંથી સંપરી નાનાની
અમદાવાદ-૧૧ નાંદીશ્વર
અંગે સીની ડિસ્ક્લિફ્ટ એવા

સુરતમાં અગ્રવાલ સમાજના વિજયભાઈએ
અંગદાન કરીને સમાજમાં નવો રાહ ચિંધ્યો

ખ્યાતિ જોવી તરફથી
મુશ્કેતા. રંગ અનુભૂતા ઉપરાજના
બિલ્ડિંગનાઈ શાહ (ડાદ)ને જનરિય
અડમનાના એક ટેલીસ્કોપોને દેસને
બેંક-ટોં જાહેર કર્યું કાંઈ કોઈન
કુદ વ્યક્તિના પરિપાળનાની
સમાનિતશી તેવનું આગામી હુન્દાને
યામાંથી એક રૂપે ગાંધી ચિંતયો શે

विजयमार्हीने दक्षिणी भारतीय क्षेत्रोंका दो लक्ष्मीजूतोंहिन्दू अनन्तर्गतिके विवेचन दो शोधान प्रदले थेना। इस विवेचन कर्मी नाम, प्रभु अष्टपाठी हो। इष्टपाठका उत्तरविविध भौतिक गोपनीयताओं द्वारा विश्वास्या प्रत्यक्ष निवेद्यमार्ह मार्गदर्शकाणां आणि द्विष्ट

ନିଜ୍ୟଭାବିନ୍ଦୁରକ୍ଷଣକୁ ବନ୍ଦେନୀ
ପାଇଲିବି ଆପିଏ ହତି, ହେଠାଟି
ପାଇଁକିମ୍ବି ଦୀମ ପାଇଲାଜିହ
ହାଲିଶେଖିପଢ଼ିବିଲି ବିଜ୍ଞାନାଳିନୀ
ପରିଚାରକ ନମ୍ବା ଦେଖାନ୍ତି ପରି
ଯଥେର୍, ଦିଦିଆଳ୍ୟ, ଅନ୍ତିକ
ଅନ୍ତି ଜ୍ଞାନି ଦେଖାନ୍ତି ଆପିଏନ୍
ଦେଶନାଳିନୀମାହିଲି ଆପିଏ ହତି,
ପରିଚାରକ କୋଣ କେବାକେ କାହାକୁ
ଲାଜନ କେବଳ ୧୧ ଦେ ଅନ୍ତି ଦେଶ
ଶରୀର ବାଣିଶାଖ କାହା କାହା ଦେନା
ହତି ଦେମନ୍ତି ଗଂଗାନ୍ତି କାହାକୀ
ବାହାନେ ନାହାନ୍ତି ମହୁନ୍ତି ଦେଗି ତୋ
ମହୁନ୍ତି କାହା ଲାଜୁ କାହିଁ ନାହିଁ

अमरावती के निवृत्यक औंड
(१३०८) उसीले भेज रिसवे
के बाटा द्राविड़ लोगोंनिवृत्य
प्रियांजन शाह अने तो प्रकृत
भावीनी दीन किए थे तो विवरण
दान देखा माते श्रीवृष्णु तथा जारे
विषयालीन गाने वसुगोपन का
चढ़ा बेंडना हो प्रकृत शिरोवाले
स्थानवृष्णु द्वारा गोपनामां
आवेदी भाने उत्तीरुदत्ता
ज याघेन तुलशीबाई
जरारी(१.४५)मां द्राविड़ लोग
इसमें जाली छली, जारे दीपक
अमरावती ११८ रम शाहाई
मंगलवारी पटेल(३.१६)मां
द्राविड़ लोग कलामा आय ली